मीडिया विज्ञप्ति

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण विशेष आर्थिक क्षेत्र (जनेपप्रा एस ई जेड) रणनीतिक भूमि आबंटन के साथ औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है

- *महत्त्वपूर्ण स्थान पर एस ई जेड को हाल की ई-नीलामी में **मजबूत प्रतिक्रिया मिली**, जो निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।*
- *पारदर्शी ई-निविदा सह ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से **14 भूखंडों** के सफल आवंटन की घोषणा की है।*

राष्ट्रीय, 14 दिसंबर 2023 - जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण विशेष आर्थिक क्षेत्र (जनेपप्रा एस ई जेड), भारत में अग्रणी बंदरगाह-आधारित परिचालन बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। 277.38 हेक्टेयर विशाल भूमि में फैला जनेपप्रा एस ई जेड पानी, सड़क, रेल और वायु के माध्यम से निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ महत्त्वपूर्ण स्थान पर स्थित है।

अब तक, 31 इकाइयों को एसईजेड भूखंड आबंटित किए गए हैं, जिनमें से 9 इकाइयां और एक मुक्त व्यापार वेयरहाउसिंग जोन (एफ टी डब्ल्यू जेड) पहले से ही परिचालन में हैं। ये परिचालन इकाइयाँ भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण, विनिर्माण और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लगी हुई हैं।

जनेपप्रा एस ई जेड ने 565 करोड़ रुपये का निवेश करके, आबंटित इकाइयों के संचालन में तेजी लाने के लिए सड़क, बिजली, पानी और अन्य उपयोगिताओं के लिए प्लग-एंड-प्ले तैयार सुविधाएं प्रदान करते हुए, आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास पूरा कर लिया है। बिजली के लिए एक विशेष योजना प्राधिकरण (एस पी ए) और विद्युत वितरण लाइसेंसधारी के रूप में, जनेपप्रा एस ई जेड निवेशकों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करते हुए, एकल-खिड़की मंजूरी सुनिश्चित करता है।

श्री संजय सेठी, भा.प्र. से. अध्यक्ष, जनेपप्रा ने औद्योगिक विकास के लिए प्राधिकरण की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, "जनेपप्रा एस ई जेड सिर्फ एक व्यापारिक केंद्र नहीं है; यह आर्थिक प्रगति के लिए उत्प्रेरक है। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करके और एक अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य अपने निवेशकों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए इस एस ई जेड की पूरी क्षमता का उपयोग करना है।"

एस ई जेड भूमि के 60 साल के पट्टे के लिए पारदर्शी ई-निविदा सह ई-नीलामी प्रक्रिया, निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण रही है। संगोष्ठियों, निवेशक शिखर सम्मेलन और बी2बी बैठकों के माध्यम से आक्रामक विपणन प्रयासों के परिणामस्वरूप अधिकतम भागीदारी हुई है, जिससे व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिला है।

163 हेक्टेयर पट्टे योग्य भूमि में से 62 हेक्टेयर भूमि पहले ही 31 इकाइयों को आबंटित की जा चुकी है। 116 एकड़ की हालिया ई-नीलामी में उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें 21 बोलीदाताओं ने 15 भूखंडों के लिए बोलियां दर्ज कराई | उल्लेखनीय रूप से, उक्त भूखंडों के लिए आरक्षित मूल्य से ऊपर की बोली में कुल मिलाकर 15% की वृद्धि हुई, जिसमें कुछ भूखंडों के लिए आरक्षित मूल्य से 40% अधिक बोली प्राप्त हुई।

सफल ई-नीलामी के बाद, जनेपप्रा ने 14 सफल बोलीदाताओं को 14 भूखंडों के आवंटन के लिए आशय पत्र (एल ओ आई) जारी किए हैं, जिसमें वेलस्पन वन और फाइन ऑर्गेनिक्स जैसे अग्रणी उद्योग शामिल हैं, जो क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जनेपप्रा के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जनेपप्रा) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई, 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेपप्रा एक थोक कार्गो टर्मिनल से देश में प्रमुख कंटेनर बंदरगाह बन गया है।

वर्तमान में, जनेपप्रा पांच कंटेनर टर्मिनलों - एन एस एफ टी, एन एस आई सी टी, एन एस आई जी टी, बी एम सी टी और ए पी एम टी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी का भी एक घाट है| एक नवनिर्मित तटीय घाट के साथ, बंदरगाह पर एक द्रव कार्गो टर्मिनल भी है, जिसका प्रबंधन बी पी सी एल-आई ओ सी एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जनेपप्रा भारत में निर्यात-उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए, बहु-उत्पाद एस ई जेड का भी संचालन करता है।

मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

जनेपप्रा:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेपप्रा

मोबाइल: +919769769100

ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JAWAHARLAL NEHRU PORT AUTHORITY SPECIAL ECONOMIC ZONE (JNPA SEZ) DRIVES INDUSTRIAL GROWTH WITH STRATEGIC LAND ALLOTMENT

- *Strategically located SEZ **attracts robust response** in recent E-Auction, signifying investor confidence.*
- *Announces the successful allotment of **14 plots** through a transparent E-Tender cum E-Auction process.*

National, 14 December 2023 — Jawaharlal Nehru Port Authority Special Economic Zone (JNPA SEZ), the pioneering port-based operational multi-product Special Economic Zone in India, is making significant strides in industrial development. Spanning an expansive 277.38 hectares of prime land, JNPA SEZ is strategically positioned with seamless connectivity through water, road, rail, and air.

As of now, 31 units have been allotted SEZ plots, with 9 units and one Free Trade Warehousing Zone (FTWZ) already in operation. These operational units are engaged in diverse sectors such as warehousing, food processing, manufacturing, and trading.

JNPA SEZ has completed the development of essential infrastructure, providing plug-and-play ready facilities for roads, power, water, and other utilities to expedite the commencement of operations for the allocated units by investing INR 565 Cr. As a Special Planning Authority (SPA) and Electrical distribution licensee for electricity, JNPA SEZ ensures single-window clearance, streamlining the approval process for investors.

Mr. Sanjay Sethi IAS, Chairman of JNPA, emphasized the authority's commitment to industrial development, stating, "JNPA SEZ is not just a business hub; it's a catalyst for economic progress. By providing state-of-the-art infrastructure and fostering a conducive business environment, we aim to unlock the full potential of this SEZ for the benefit of our investors and the region at large."

The transparent E-Tender cum E-Auction process for a 60-year lease of SEZ land has been pivotal in attracting investments. Aggressive marketing efforts through conclaves, investor summits, and B2B meetings have resulted in maximum participation, promoting the ease of doing business.

Out of the 163 hectares of leasable land, 62 hectares have already been allotted to 31 units. The recent e-auction for 116 Acres saw a remarkable response, with 21 bidders submitting bids for 15 plots. Notably, there was an overall 15% increase in quotes for the said plots above the reserve price, wherein few plots receiving bids surpassing 40% above the reserve price.

Following the successful e-auction, JNPA has issued Letters of Intent (LOI) for the allotment of 14 plots to 14 successful bidders, which includes leading industry like Welspun One and Fine Organics, marking a significant milestone in contributing to the socio-economic development of the region.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal to become the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals -- NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal which is managed by the BPCL-IOCL consortium is also there at the port along with a newly constructed coastal berth.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

For media enquiries, please contact:

JNPA:

Ambika Singh

Sr. Manager (Marketing), JNPA

Mob: +919769769100

e-mail: ambikasingh@jnport.gov.in